सक्सेस मिरर

वर्ष : 11
अंक : 127
नवम्बर : 2020

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

5 | सम्पादकीय
7 | समसामयिकी घटना संग्रह
9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 | आर्थिक घटना संग्रह

- भारत की अर्थव्यवस्था में आई 9 प्रतिशत गिरावट : एडीबी
- 40 लाख तक की वार्षिक आमदनी पर जीएसटी में छूट
- वोडाफोन आइडिया ने अपना नाम बदलकर किया वीआई
- दुनिया का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादन सम्पत्ति धारक

21 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- संसद में बैंकिंग विनियमन (संशोधन) विधेयक 2020 पारित हुआ
- भारतीय वायुसेना में शामिल हुआ राफेल
- संसद से महामारी रोग (संशोधन) विधेयक 2020 पास
- संसद में सांसदों के वेतन में 30 प्रतिशत की कटौती करने के बिल को मिली मंजूरी

25 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत ने मालदीव को कोविड से निपटने को 25 करोड़ डॉलर दिए
- डब्ल्यूएचओ ने अफ्रीका को पोलियो मुक्त घोषित किया
- टाइम्स हायर एजुकेशन ने 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स' 2021 जारी की
- 27वीं आसियान क्षेत्रीय मंच के विदेश मंत्रियों की बैठक, 2020
- 'वैश्विक नवाचार सूचकांक' 2020 जारी

28 | खेल खिलाड़ी

- IPL 2020 शुरू, सभी आठों टीमों का पूरा शेड्यूल जारी
- नोवाक जोकोविच ने डिएगो श्वार्टजमैन को हराकर इटैलियन ओपन अपने नाम किया
- यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग 2019-20
- बीएमडब्ल्यू चैम्पियनशिप, 2020
- एआईजी वुमेंस ओपन, 2020

32 | विज्ञान समाचार
34 | समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
37 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

40 | **सामयिक लेख**—खाद्य सुरक्षा की चुनौती
41 | **दुष्प्रभावी भूजल लेख**—फ्लोराइडयुक्त जल का स्वास्थ्य पर प्रभाव एवं निदान
43 | **प्रौद्योगिकी लेख**—मोबाइल फोन की प्रगति-यात्रा
44 | **कृषि लेख**—आत्मनिर्भर भारत में कृषि की भूमिका
76 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
78 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-124 का परिणाम**
79 | **कॅरियर सलाह**
81 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

46 | उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2019 प्रथम प्रश्न-पत्र
एस.बी.आई. लिपिकीय संवर्ग परीक्षा, 2020
51 | तर्कशक्ति
54 | संख्यात्मक अभियोग्यता
57 | English Language

मॉडल हल

60 | आगामी राजस्थान पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
70 | आगामी दिल्ली पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक :** राहुल जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस :** 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–2531101, 2530966
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली–110 002
फोन–011-23251844, 43259035

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल)
खजांची रोड
पटना–800 004
फोन–0612-2303340
मो–09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B म्यूनिसिपल प्रीमिसेस
No.15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर
कोलकाता–700 003 (W.B.)
फोन–033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन–040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी
जिला–नैनीताल–263 139
(उत्तराखण्ड)
मो–07060421008

सम्पादकीय

उपलब्धि और सफलता के मध्य अन्तर स्थापित कीजिए

"Achievement is not Always Success, while Reputed Failure often is. It is Honest Endevor, Persistent Effort to do the best possible under any and all circumstances."

—Orison Swett Marden

मनुष्य के जीवन में सफलता के सन्दर्भ स्पष्टतः तीन हैं–1. जीवन की सफलता, 2. जीवन के साधन की सफलता तथा 3. जीवन से जुड़े अनेकानेक दायित्वों (जीविका के साधन के अतिरिक्त) में सफलता.

जीवन के साधन की सफलता के सन्दर्भ में यह समझ लेना आवश्यक है कि जीविका साधन सदैव साधन ही रहना चाहिए. उसको साध्य का स्थान कभी-भी प्रदान नहीं करना चाहिए. श्वेत ने यहाँ भूल की थी और वह जीवन की सफलता की दृष्टि से असफल रह गया. अतएव जीविका के साधन में सफलता की दृष्टि से व्यक्ति को यह बात हृदयगम कर लेनी चाहिए कि मैं जिस पद पर आसीन हूँ अथवा जिस व्यवसाय में लगा हूँ, उसका उद्देश्य क्या है ? इस उद्देश्य को समझ लेने के उपरान्त व्यक्ति को चाहिए कि उस उद्देश्य की पूर्ति में वह अपनी सम्पूर्ण सामर्थ्य लगा दे. इसी में उसके जीवन के साधन की सफलता निहित है. उद्‌देश्य की पूर्ति में अत्यधिक धन तो प्राप्त नहीं होगा, परन्तु एक महान् उपलब्धि अवश्य होगी–कीर्ति. उदाहरण के लिए मैं एक अध्यापक को लेता हूँ. यह पद उसकी जीविका का साधन है. पद का उद्देश्य है अपने छात्र-छात्राओं को ज्ञान प्रदान करना. वह यदि पूर्ण कौशल, निष्ठा एवं सामर्थ्य के साथ अपना कार्य करता है, तो वह अपनी जीविका के साधन अध्यापन कार्य में कीर्ति सम्मान आदि उपलब्धि प्राप्त करता है. ऐसा व्यक्ति भले ही अनेकानेक भौतिक सुखों के मोहजाल में न फँसे, परन्तु उसके जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति अवश्य होती रहेगी, परन्तु यदि वह धनोपार्जन के लिए एक दरोगा या सरकारी दफ्तर के बाबू की नकल करना चाहेगा, तो सम्भव है वह कुछ धनोपार्जन करले, परन्तु यह न तो जीविका के साधन की उपलब्धि होगी और न जीवन की सफलता उसके चेतना विकास में सहायक होगी.

किसी व्यवसाय में जीवन के साधन की सफलता का स्वरूप समझने के लिए, मैं एक उदाहरण देता हूँ. मैं कालीकट में एक होटल में तीन दिन तक रहा था. अपने व्यक्तिगत कारणोंवश मैंने उसमें भोजन नहीं किया. होटल के मालिक ने कारण पूछा. मैंने गोलमोल उत्तर दे दिया. वह बात की गहराई तक पहुँच गया. अगले दिन प्रातः उसने काजू, केला आदि द्वारा चार टिकियाँ मेरे पास कॉफी के साथ भेज दीं. मुझे वे अच्छी लगीं. शाम को तथा अगले दिन भी सुबह-शाम मेरे पास वे टिकियाँ मुझे मिलीं. चलते समय जब मैंने हिसाब किया, तब अनेक आग्रह करने पर भी उसने टिकियों का मूल्य नहीं लिया. उसका उत्तर स्तब्ध कर देने वाला था. मेरे व्यवसाय का उद्देश्य यात्रियों को भोजन प्रदान करना है. ये टिकियाँ मैंने आपको स्वयं इसलिए भेजी थीं कि आप यहाँ रहते हुए भूखे न रहें. उस होटल का मालिक सम्भवतः अधिक धन न कमा सका हो, परन्तु उसने अपने व्यवसाय के उद्देश्य पालन की दृष्टि से सफलता तो प्राप्त कर ही ली है. कीर्ति उसकी उपलब्धि है, जिसका बखान मैं कर रहा हूँ. अपने जीविका के साधन द्वारा प्राप्त आत्म-सन्तोष उसके जीवन की सफलता के खाते में जमा होता जाएगा. स्वधर्म का पालन करने वाले उस होटल का नाम था कल्पका.